डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई - 42

प्रतिवेदन – राष्ट्रीय साक्षरता दिवस – 2023-2024

राष्ट्रीय साक्षरता दिवस साक्षरता और शिक्षा के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला एक महत्त्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम है। इस वर्ष 8 सितंबर 2023 को डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, चेन्नई के तत्त्वावधान में दसवीं कक्षा की मेज़बानी में एक जीवंत और प्रेरणादायक कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्तिगत जीवन और सामाजिक विकास में साक्षरता के महत्त्व को उजागर करना था। समारोह की शुरूआत डी.ए.वी. गान और गायत्री मंत्र के साथ हुई। एस. भव्या और संचिता पात्रा ने 'मास्टर ऑफ़ सेरेमनी' का पद संभाला। शेरेन दीप्ती और सहाना वी. ने सभा का भव्य स्वागत किया। तेजल एन. एम. ने दर्शकों को राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने भारतीय शिक्षा के तीन अलग-अलग युगों (1947 से पहले, 1950-2000 के बीच और 2000 के बाद) के माध्यम से भारतीय शिक्षा प्रणाली के विकास को रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया। उन्होंने सूचनात्मक तख्तियों का उपयोग करके इन अवधियों में अंतर को कुशलतापूर्वक चित्रित किया। छठी कक्षा के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत 'मेलोडीज़ ऑफ़ लिटरेसी' मनमोहक प्रदर्शन था। उन्होंने एक सुंदर गीत प्रस्तुत किया, जिसमें साक्षरता और शिक्षा के गहन महत्त्व को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। अपनी मधुर आवाज़ और दिल को छूने वाले गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों ने ज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति से व्यक्तियों और समाज के लिए एक उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में साक्षरता की भूमिका को प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया।

पाँचवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने मलाला यूसुफ़ज़ई के साथ एक सजीव साक्षात्कार आयोजित किया, जहाँ श्रेयांसी आनंद ने उनका किरदार निभाया और साक्षात्कारकर्ता आदित्य सिंह थे। मलाला ने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और लड़कियों के सीखने के अधिकार पर ज़ोर देते हुए अपनी प्रेरक जीवन यात्रा साझा की। साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों ने पढ़ने की खुशी और उसके परिवर्तनकारी जादू का जश्न मनाते हुए एक जीवंत 'सिंग अलोंग' सत्र का नेतृत्व किया। कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों के पास एक विशेष 'नॉलेज क्वेस्ट' था जो 2023 के विशेष विषय पर केंद्रित एक जिज्ञासु प्रश्नोत्तरी सत्र था - संक्रमण में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना, टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाज की नींव का निर्माण करना था। दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने साक्षरता (शहरी रैप्सोडी) के माध्यम से दिमाग को सशक्त बनाने, बालश्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने 'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' अभियान को बढ़ावा देने और बाल-विवाह निषेध अधिनियम को लागू करने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। नवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित हिन्दी गीत 'लिखें-पढ़ाएँ' पर अपने समकालिक नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से साक्षरता के महत्त्व पर एक विशेष संदेश दिया। अंत में राष्ट्रगान और शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई - 42

राष्ट्रीय साक्षरता दिवस – 2023-2024

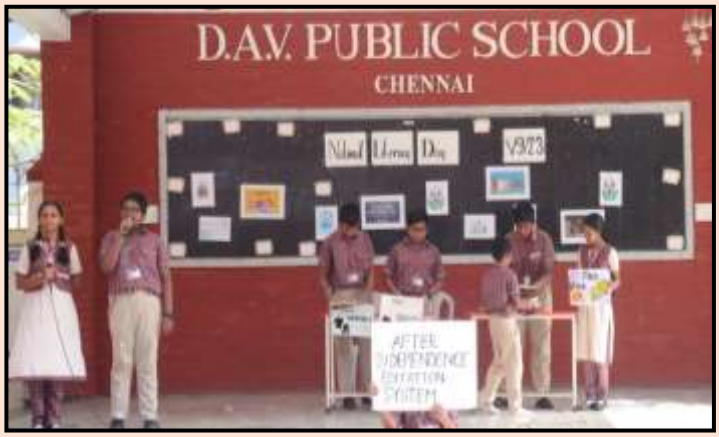

शिक्षा का विकास - भारतीय शिक्षा में तीन युग

मलाला का संदेश - एक विशेष साक्षात्कार

अर्बन रैप्सोडी - 2023 में साक्षरता के माध्यम से दिमाग का सशक्तीकरण

सशक्तीकरण की ध्वनियाँ - साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक गीत